मध्यप्रदेश विधान सभा

संक्षिप्त कार्य विवरण

पत्रक भाग-एक

क्रमांक-4

गुरूवार, दिनांक 18 दिसम्बर, 2003 (अग्रहायण 27, 1925)

विधान सभा पूर्वाह्न 10.33 बजे समवेत हुई.

अध्यक्ष महोदय (श्री ईश्वरदास रोहाणी) पीठासीन हुए.

1. शपथ/प्रतिज्ञान

श्री चन्द्रभान सिंह (नोहटा), सदस्य सदन से अनुपस्थिति के कारण शपथ/प्रतिज्ञान नहीं ले सके।

2. पत्रों का पटल पर रखा जाना

(1) डॉ. ढालसिंह बिसेन, खनिज साधन मंत्री ने -

(क) कम्पनीज एक्ट, 1956 की धारा 619-क की उपधारा (2) (ख) की अपेक्षानुसार मेंगनीज ओर (इंडिया) लिमिटेड की 41 वीं वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2002-2003, तथा

(ख) कम्पनीज एक्ट, 1956 की धारा 619-क की उपधारा (3) (ख) की अपेक्षानुसार दि मध्यप्रदेश स्टेट माइनिंग कारपोरेशन लिमिटेड का 40 वां वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2002-2003, तथा

(2) श्री कैलाश चावला, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कम्पनीज एक्ट, 1956 की धारा 619-क की उपधारा (3) (ख) की अपेक्षानुसार मध्यप्रदेश स्टेट टेक्सटाईल कार्पोरेशन लिमिटेड, भोपाल (मध्यप्रदेश) का 31वां वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा (वर्षान्त 31 मार्च, 2002) पटल पर रखे।

3. उपाध्यक्ष का निर्वाचन

(1) सुश्री उमा भारती, मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव किया कि -

"श्री हजारीलाल रघुवंशी, जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का उपाध्यक्ष चुना जाय."

श्री कैलाश विजयवर्गीय, संसदीय कार्य मंत्री ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

(2) श्रीमती जमुना देवी, नेता प्रतिपक्ष ने प्रस्ताव किया कि -

"श्री हजारीलाल रघुवंशी, जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का उपाध्यक्ष चुना जाय."

श्री दिग्विजय सिंह, सदस्य ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

(3) डॉ. गौरीशंकर शेजवार, ऊर्जा मंत्री ने प्रस्ताव किया कि -

"श्री हजारीलाल रघुवंशी,जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का उपाध्यक्ष चुना जाय."

श्री कैलाश चावला, वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

(4) श्री बुन्देला विजय बहादुर सिंह, सदस्य ने प्रस्ताव किया कि -

"श्री हजारीलाल रघुवंशी,जो इस विधान सभा के सदस्य हैं, को विधान सभा का उपाध्यक्ष चुना जाय."

श्री बंशमणि प्रसाद वर्मा, सदस्य ने प्रस्ताव का समर्थन किया।

श्री रामलखन शर्मा, सदस्य द्वारा श्री हजारीलाल रघुवंशी, सदस्य को उपाध्यक्ष चुने जाने हेतु प्रस्ताव और समर्थन दोनों किया गया।

प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।

श्री हजारीलाल रघुवंशी, सदस्य के उपाध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने पर अध्यक्ष महोदय द्वारा बधाई दी गई।

मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती, नेता प्रतिपक्ष श्रीमती जमुना देवी, सदस्य सर्वश्री दिग्विजय सिंह, विजय बहादुर सिंह बुंदेला एवं रामलखन शर्मा ने विधान सभा उपाध्यक्ष को, उनके निर्वाचन होने पर बधाई देते हुए भाषण दिये।

उपाध्यक्ष महोदय ने उनके प्रति व्यक्त उद्‌गार के लिए सदस्यों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की।

4. नाम निर्दिष्ट समितियों का गठन

अध्यक्ष महोदय ने सदन को सूचित किया कि मध्यप्रदेश विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमावली के नियम 208 (1), 225 (1) तथा 232 के अधीन क्रमशः गैर-सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों संबंधी समिति, विशेषाधिकार समिति और सदन समिति के लिए निम्नलिखित सदस्यों को वर्ष 2003-2004 की अवधि में सेवा करने के लिए नाम-निर्दिष्ट करता हूं :-

गैर-सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्पों संबंधी समिति

1. श्री मधुकर हर्णे
2. श्री रसाल सिंह
3. श्री रामदयाल प्रभाकर
4. श्री कमल पटेल

5. श्री पारस जैन
6. श्री सज्जन सिंह वर्मा
7. श्री मनमोहन शाह बट्टी

श्री मधुकर हर्णे इस समिति के सभापति होंगे.

विशेषाधिकार समिति

1. कुंवर विजय शाह
2. श्री लक्ष्मण सिंह गौड़
3. श्री लाल सिंह आर्य
4. श्रीमती सुधा जैन
5. श्री सुनील नायक
6. श्री उमाशंकर गुप्ता
7. कुंवर लवकेश सिंह
8. श्री जयसिंह मरावी
9. श्री सत्यदेव कटारे
10. श्री राजेन्द्र सिंह

कुंवर विजय शाह इस समिति के सभापति होंगे.

सदन समिति

1. श्री किशोरीलाल वर्मा
2. श्री ज्ञान सिंह
3. श्री रामपाल सिंह
4. डॉ. नारायण परमार
5. श्री अजय विश्नोई
6. श्री रामनिवास रावत
7. श्री नारायण त्रिपाठी

श्री किशोरीलाल वर्मा इस समिति के सभापति होंगे.

5. राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर चर्चा (क्रमशः)

राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर पुनर्ग्रहीत चर्चा में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया :-

1. श्री सत्यदेव कटारे
2. सुश्री कुसुम सिंह महदेले
3. डॉ. गोविन्द सिंह
4. श्रीमती अर्चना दीदी
5. कुंवर विजय बहादुर सिंह बुंदेला
6. श्री मनमोहन शाह बट्टी
7. श्री सुनील नायक
8. श्री अखण्ड प्रताप सिंह
9. श्री गिरीश गौतम
10. श्री गोविन्द सिंह राजपूत
11. श्री नागेन्द्र सिंह (गुढ़)
12. श्री दिलीप भटेरे

(1.01 बजे से 2.33 बजे तक अन्तराल)

उपाध्यक्ष महोदय (श्री हजारीलाल रघुवंशी) पीठासीन हुए.

13. श्री बृजेन्द्र सिंह राठौर

(चर्चा अपूर्ण)

स्वागत

उपाध्यक्ष मोहदय द्वारा माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री प्रहलाद पटेल की अध्यक्षीय दीर्घा में उपस्थिति पर उनका स्वागत किया गया।

7. राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर चर्चा (क्रमशः)

राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर पुनर्ग्रहीत चर्चा में निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया :-

14. श्रीमती रेखा रत्नाकर
15. श्री के.पी. सिंह (कक्काजू)

16. श्री नारायण त्रिपाठी
17. श्री राजवर्धन सिंह

अध्यक्ष महोदय (श्री ईश्वरदास रोहाणी) पीठासीन हुए.

18. श्री अन्तर सिंह दरबार
19. श्री लक्ष्मण सिंह गौड़
20. श्रीमती जमुना देवी, नेता प्रतिपक्ष

सुश्री उमा भारती, मुख्यमंत्री ने चर्चा का उत्तर दिया

समस्त संशोधन अस्वीकृत हुए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ.

8. सत्र का समापन

अध्यक्ष मोहदय द्वारा सत्र के समापन के अवसर पर निम्नलिखित उद्‌गार प्रकट किये गये :-

नवगठित बारहवीं विधान सभा का यह पहला चार दिवसीय सत्र अब समापन की ओर है.

इस सत्र में जहॉ नव-निर्वाचित सदस्यों ने शपथ ग्रहण की एवं अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन संपन्न हुआ वहीं सदन के नेता प्रतिपक्ष को मान्यता प्रदान की गई. इसके साथ ही संविधानिक व्यवस्था अनुसार इस सत्र में राज्यपाल महोदय का अभिभाषण हुआ एवं उस पर प्रस्तुत कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर दो दिन चर्चा हुई.

यह हमारे ही लोकतंत्र की विशेषता है कि यह जीवंत है और इसके अंतर्निहित सिद्धांतों का प्रत्यक्ष अनुभव एवं अवलोकन किया जा सकता है. हमारे यहॉ सत्ता का परिवर्तन बैलेट के द्वारा निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं शांति से होता है.

हमने लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसदीय सासन प्रणाली को अपनाया है जिसमें संसद एवं विधान मंडल सर्वोच्च संस्थाएं होती हैं. ये संस्थाएं उसके सदस्यों से स्पंदित होती हैं एवं स्वयं के बनाए नियम-कायदों से संचालित होती हैं. इन संस्थाओं के सदस्य होने के नाते हमारे बहुत से दायित्व होते हैं जिन्हें हमें लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों, संसदीय नियमों एवं परंपराओं तथा संविधानिक प्रावधानों के तहत निभाना होता है. हमारा प्रयास यही होना चाहिए कि हम अपने कर्तव्यों का निर्वहन सम्यक ढंग से करें एवं इस पूरी व्यवस्था का लाभ उन तक पहुंचाए जिनके लिए यह व्यवस्था स्वीकार की गई है.

बारहवीं विधान सभा में अनेक सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं. उन्हें प्रारंभ में जरूर यहां का माहौल एवं कार्य प्रणाली सर्वथा नई लगेगी किन्तु वे संसदीय पुस्तकों के अध्ययन एवं वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन से अपनी परेशानी दूर कर सकते हैं. इसके साथ ही नये सदस्यों को प्रशिक्षण देने के लिए विधान सभा सचिवालय द्वारा शीघ्र ही प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है.

इस सत्र को सुचारू रूप से चलाने में सहयोग के लिए मैं माननीया सदन की नेता, माननीया नेता प्रतिपक्ष, माननीय उपाध्यक्ष एवं सभी सदस्यों को धन्यवाद देता हूं.

इस अवसर पर मैं विधान सभा एवं शासन के अधिकारियों, कर्मचारियों पुलिस कर्मियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया से जुड़े सभी लोगों को भी धन्यवाद देता हूं.

माननीय सदन की नेता एवं माननीय नेता प्रतिपक्ष से हुई चर्चानुसार हमारा अगला सत्र मार्च, 2004 में संभावित है.

अगले सत्र में हम सब पुनः समवेत होंगे. अंत में मैं आप सभी को नए वर्ष की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं एवं प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि -सर्वे भवन्तु सुखिना, सर्वे संतु निरामयाः धन्यवाद.

सुश्री उमा भारती, मुख्यमंत्री, श्रीमती जमुना देवी नेता प्रतिपक्ष, श्री हजारीलाल रघुवंशी उपाध्यक्ष महोदय, सदस्य सर्वश्री विजय बहादुर सिंह बुंदेला एवं रामलखन शर्मा, ने भी विचार व्यक्त किये।

9. राष्ट्रगान

सदन में "जन-गण-मन" का समूह गान हुआ.

10. सत्र का अनिश्चितकाल के लिए स्थगन

अपराह्न 5.43 बजे विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित की गई।

डॉ. ए.के. पयासी
प्रमुख सचिव,
मध्यप्रदेश विधान सभा